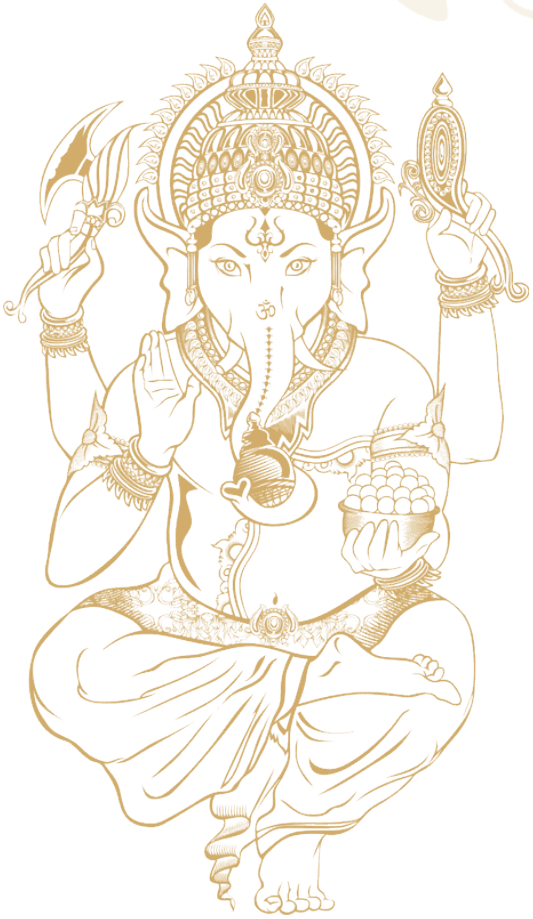

Sh Harahvardhan singh rathor

29 Sep 2005

09:55 AM

Kota

Model: web-freekundliweb

Order No: 121102908

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**29/09/2005**
दिन	गुरुवार
जन्म समय	**09:55:00 घंटे**
इष्ट	09:03:43 घटी
स्थान	**Kota**
राज्य	Rajasthan
देश	India

अक्षांश	25:11:00 उत्तर
रेखांश	75:58:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:26:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	09:28:52 घंटे
वेलान्तर	00:09:38 घंटे
साम्पातिक काल	10:01:01 घंटे
सूर्योदय	06:17:30 घंटे
सूर्यास्त	18:15:03 घंटे
दिनमान	11:57:33 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	12:11:35 कन्या
लग्न के अंश	29:34:17 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**कर्क - चन्द्र**
नक्षत्र-चरण	**आश्लेषा - 3**
नक्षत्र स्वामी	बुध
योग	सिद्ध
करण	कौलव
गण	राक्षस
योनि	मार्जार
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	विप्र
वश्य	जलचर
वर्ग	श्वान
युँजा	मध्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	डे-डेविड
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	तुला

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	29:34:17	312:39:56	विशाखा	3	16	शुक्र	गुरु	चंद्र	---
सूर्य			कन्या	12:11:35	00:58:57	हस्त	1	13	बुध	चंद्र	राहु	सम राशि
चंद्र			कर्क	25:00:45	11:51:25	आश्लेषा	3	9	चंद्र	बुध	राहु	स्वराशि
मंगल			मेष	29:22:49	00:02:26	कृतिका	1	3	मंगल	सूर्य	राहु	स्वराशि
बुध		अ	कन्या	20:47:35	01:40:07	हस्त	4	13	बुध	चंद्र	शुक्र	स्वराशि
गुरु			तुला	00:14:57	00:12:41	चित्रा	3	14	शुक्र	मंगल	बुध	शत्रु राशि
शुक्र			तुला	26:07:48	01:07:51	विशाखा	2	16	शुक्र	गुरु	केतु	स्वराशि
शनि			कर्क	14:48:25	00:05:19	पुष्य	4	8	चंद्र	शनि	राहु	शत्रु राशि
राहु	व		मीन	19:43:39	00:00:57	रेवती	1	27	गुरु	बुध	शुक्र	सम राशि
केतु	व		कन्या	19:43:39	00:00:57	हस्त	3	13	बुध	चंद्र	केतु	शत्रु राशि
हर्ष	व		कुंभ	13:47:13	00:02:01	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	बुध	---
नेप	व		मक	21:05:20	00:00:52	श्रवण	4	22	शनि	चंद्र	शुक्र	---
प्लूटो			वृश्चि	28:04:50	00:00:51	ज्येष्ठा	4	18	मंगल	बुध	शनि	---
दशम भाव			सिंह	04:08:44	--	मघा	--	10	सूर्य	केतु	चंद्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:56:10

लग्न-चलित

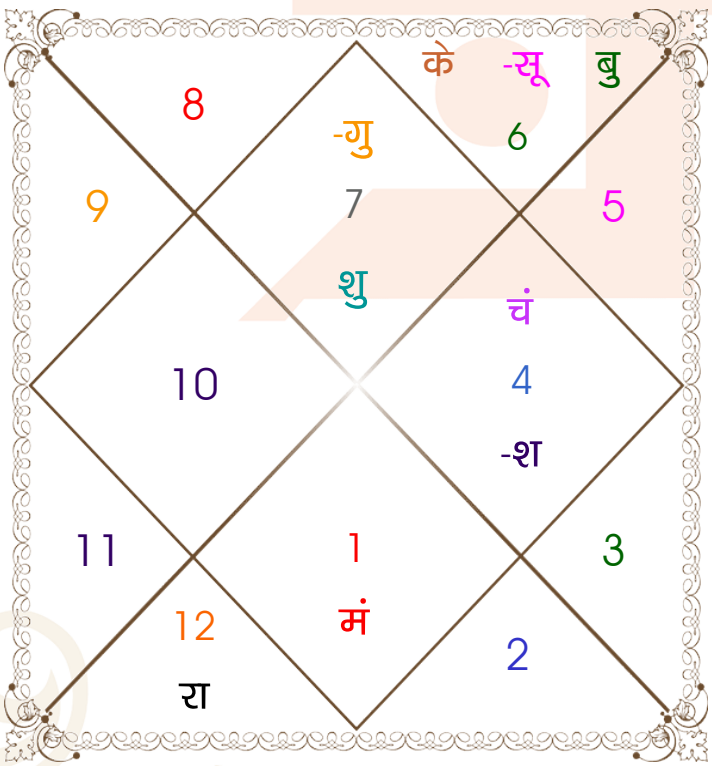

चन्द्र कुंडली

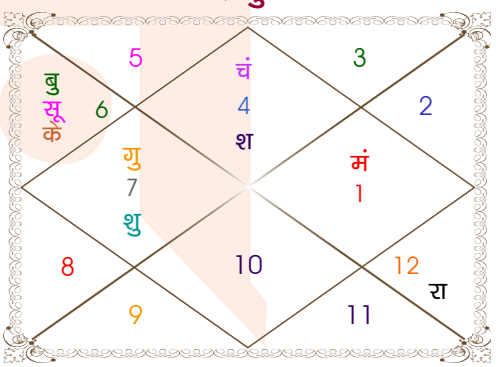

नवमांश कुंडली

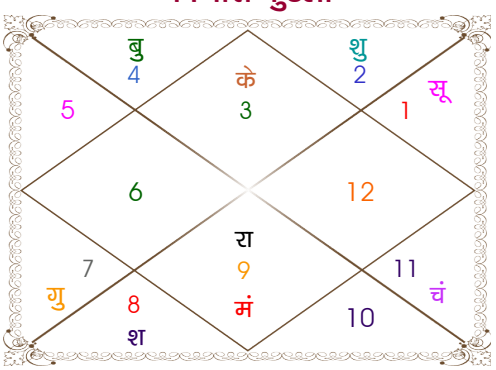

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : बुध 6 वर्ष 4 मास 9 दिन

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
29/09/2005		08/02/2012		07/02/2019		07/02/2039		07/02/2045	
08/02/2012		07/02/2019		07/02/2039		07/02/2045		07/02/2055	
	00/00/0000	केतु	06/07/2012	शुक्र	09/06/2022	सूर्य	28/05/2039	चंद्र	08/12/2045
	00/00/0000	शुक्र	05/09/2013	सूर्य	09/06/2023	चंद्र	26/11/2039	मंगल	09/07/2046
	00/00/0000	सूर्य	11/01/2014	चंद्र	07/02/2025	मंगल	02/04/2040	राहु	08/01/2048
	00/00/0000	चंद्र	12/08/2014	मंगल	09/04/2026	राहु	25/02/2041	गुरु	09/05/2049
	00/00/0000	मंगल	08/01/2015	राहु	09/04/2029	गुरु	14/12/2041	शनि	08/12/2050
	29/09/2005	राहु	26/01/2016	गुरु	09/12/2031	शनि	26/11/2042	बुध	09/05/2052
राहु	22/02/2007	गुरु	01/01/2017	शनि	07/02/2035	बुध	03/10/2043	केतु	08/12/2052
गुरु	30/05/2009	शनि	10/02/2018	बुध	08/12/2037	केतु	08/02/2044	शुक्र	09/08/2054
शनि	08/02/2012	बुध	07/02/2019	केतु	07/02/2039	शुक्र	07/02/2045	सूर्य	07/02/2055

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
07/02/2055		07/02/2062		08/02/2080		08/02/2096		08/02/2115	
07/02/2062		08/02/2080		08/02/2096		08/02/2115		00/00/0000	
मंगल	06/07/2055	राहु	20/10/2064	गुरु	28/03/2082	शनि	10/02/2099	बुध	07/07/2117
राहु	24/07/2056	गुरु	16/03/2067	शनि	08/10/2084	बुध	21/10/2101	केतु	04/07/2118
गुरु	30/06/2057	शनि	20/01/2070	बुध	14/01/2087	केतु	30/11/2102	शुक्र	04/05/2121
शनि	09/08/2058	बुध	08/08/2072	केतु	21/12/2087	शुक्र	30/01/2106	सूर्य	10/03/2122
बुध	06/08/2059	केतु	27/08/2073	शुक्र	21/08/2090	सूर्य	12/01/2107	चंद्र	10/08/2123
केतु	02/01/2060	शुक्र	26/08/2076	सूर्य	09/06/2091	चंद्र	12/08/2108	मंगल	06/08/2124
शुक्र	03/03/2061	सूर्य	21/07/2077	चंद्र	08/10/2092	मंगल	21/09/2109	राहु	30/09/2125
सूर्य	09/07/2061	चंद्र	20/01/2079	मंगल	14/09/2093	राहु	28/07/2112		00/00/0000
चंद्र	07/02/2062	मंगल	08/02/2080	राहु	08/02/2096	गुरु	08/02/2115		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल बुध 6 वर्ष 4 मा 7 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म विशाखा नक्षत्र के तृतीय चरण में तुला लग्नोदय काल हुआ था। आपके जन्म समय मेदिनीय क्षितिज पर मिथुन राशि का नवमांश एवं मिथुन द्रेष्काण लग्न भी उदित था। प्रस्तुत ज्योतिषीय आकृति के अनुसार यह स्मरणीय है कि आप में दुर्भावनाओं से युक्त नकारात्मक गुण विद्यमान है। आप सौभाग्यशाली हैं। आप वैक्तिक विशेषता के प्रभाव से समुचित धन सम्पत्ति युक्त जीवन, बिना किसी भी इच्छा के अनुरूप समुचित ढंग से व्यतीत करेंगे।

आपकी चारित्रिक नाकारात्मक उत्कंठा अन्यों के विकास के लिए असहयनीय है। आप जब किसी को धन संचय करते हुए अथवा संपत्ति अर्जन करते देखते हों तब आप इर्ष्यात्मक प्रवृति से युक्त होकर उसके कार्य को नष्ट करने के लिए सुनिश्चित होकर उसके पीछे पड़ कर खुद प्राप्त न कर उसे बिगाड़ देना ठीक समझते हो। इसके संबंध में आपको क्या करना चाहिए यह रहस्य अन्यों की अपेक्षा आप स्वयं जानते है। आप लापरवाही से अपनी बड़ाई के लिए बहुत अधिक लोगों पर प्रभाव जमाते हों। यह प्रवृति आपको मात्र अप्रसिद्ध ही नहीं बनाता बल्कि सर्वदा आपके प्रगति के पथ पर अनेकों प्रकार से विरोध प्रदर्शन करते हैं।

आप में सामान्य ज्ञान और सक्षमता विद्यमान है कि आप प्रतिपक्ष पर विजय प्राप्त कर लेते हों परंतु आप अनेकों को अपना स्थायी शत्रु बना लेते हैं। इस प्रकार आप कठिन श्रम संपादन हेतु उपयुक्त हो। मुख्यतः आप अपनी आयु की प्रथम अवधि 21 वें वर्ष से 28 वे वर्ष तथा द्वितीय 28 वें वर्ष से 34 वे वर्ष के मध्य काफी धन संपत्ति का उपार्जन एवं लाभ प्राप्त करेंगे। आप अपनी आय का यथेष्ठ अंश अपने निरंतर भ्रमण पर तथा अपने घर को नवीनतम साज-शय्याओं से युक्त करने पर व्यय करेंगे।

आप अपना परिवार जीवन सुखदपूर्ण व्यतीत करेंगे। आप स्वयं के सुख हेतु सुव्यवस्था पूर्वक सभी इंतजाम करेंगे। आप निःसंदेह पूर्वक अपनी समझदार पत्नी एवं बच्चों से बहुत स्नेह रखेंगे। परंतु आप सदैव वासनात्मक भावनाओं से चिंतित रह सकते है तथा विपरीत योनि के प्रति आकर्षित रहेंगे। क्योंकि आपकी आकर्षक आंखे विपरीत योनि को आकर्षित करती हैं। आपको इस प्रकार की रोमांचित प्रवृति के प्रति झुकाव नहीं रखकर अपने सहज परिवारिक जीवन को आनंदित रखने के लिए आश्वस्त होना चाहिए।

आप अपने लिए योग्य एवं उपयुक्त जीवन संगिनी का चुनाव कर सकते हैं जिसका जन्म मिथुन अथवा कुंभ राशि में हुआ हो। परंतु आप मीन राशि, मकर एवं कर्क राशि के जातक का चयन कर अपने सामान्य जीवन को संघर्षपूर्ण करेंगे।

आपका स्वास्थ्य अधिकांशतः सुंदर एवं ठीक रहेगा। परंतु इसके अतिरिक्त ऐसी संभावना है कि आप कतिपय रोगों से प्रभावित भी हो सकते हैं यथा डायविटिज, किडनी की परेशानी तथा बाद में ट्यूमर युक्त रोग की आशंका है। अतः आपको इस रोग के प्रति सुरक्षात्मक कदम उठाना चाहिए।

आपके लिए अनुकूल अंक 1, 2, 4 एवं 7 अंक लाभदायक है। परंतु 3, 5, 6 एवं 9 अंक सर्वथा त्याज्य है।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।